बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–9,10

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

जैसा कि सर्वविदित है कि इस कोरोना महामारी ने मानव समाज को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है। वह चाहे जानमाल की क्षति हो या आर्थिक या अन्य क्षति किन्तु सबसे अधिक क्षति हमलोगों को शिक्षा में उठानी पड़ी हैं। इस क्षति को हमलोग शत प्रतिशत पूरा तो नही कर सकते किंतु इसे हमलोग सामूहिक प्रयास से कम , अवश्य कर सकते हैं।

इस संदर्भ में SCERT द्वारा एक प्रयास किया गया है जो CATCH-UP COURSE बनाकर, जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है:–

इस कैलेण्डर की कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जो हम सभी को जानने की आवश्यकता हैं ताकि हम अपने कार्यो एवं दायित्वों का सही तरह से निर्वहन कर सकें:–

मुख्य बातें :–

- पूरे छूटे हुए साल भर के Course का समेकन कर इसे तीन माह (60 कार्य दिवस) में पूरा करने हेतु CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है।
- इसमें अधिगम प्रतिफल को आधार बनाकर उनके अनुरूप पाठों का चयन किया गया हैं।
- जो CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है उसके अनुरूप हमालोग बच्चों की अधिगम क्षति की पूर्त्ति करने का प्रयास करेंगें जो एक प्रारूप में दिया गया हैं। जो अग्रांकित है।
- अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हेतु पाठों का चयन एवं उन पाठों को प्रस्तुत करने के सुझावात्मक प्रतिक्रियाएँ भी हैं तथा उस प्रक्रिया को अपनाने के बाद हम बच्चों में क्या परिवर्तन देख सकते हैं यह अधिगम संकेतक के अंतर्गत हैं। संकेतकों के माध्यम से बच्चों ने वह प्रतिफल प्राप्त किया या नहीं यह जाना जा सकता हैं।
- पाठों की संख्या कम की गयी हैं साथ ही इस बात का ध्यान रखा गया है कि सभी विधाओं का समावेश रहे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को गतिविधि करने के लिए बाध्य नहीं करें बल्कि अनुकूल माहौल बनाएं। उदाहरण के लिए कहानी कहकर या 'हम एक खेल खेलते हैं' जैसी गतिविधियों में भाग लेने का भी प्रयास करें।
- उल्लेखित गतिविधियाँ सुझावात्मक है, संसाधनों की उपलब्धता और विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान के आधार पर इनमें संशोधन किया जा सकता हैं।
- शिक्षकों द्वारा मौखिक और दृश्य निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि सभी बच्चे, विशेषकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी बताई गई गतिविधि का पालन करने में सक्षम हों।

- विचारों की अभिव्यक्ति, तार्किक चर्चा और भाषा प्रवीणता के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। प्रश्न पूछना और छात्र– छात्राओं का सोंचने के लिए प्रोत्साहित करना इस उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायकत होगा।
- ई– पाठशाला एवं भारत सरकार के दीक्षा पोर्टल, शिक्षा हाउस दूरदर्शन, उन्नयन, बिहार कैरियर पोर्टल, विद्यावाहिनी, यूट्युब, Sucess CD Education, पर उपलब्ध ई–सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना

विषय–हिन्दी

कक्षावार अधिगम कौशल/प्रतिफल

कक्षा–IX to X

		पाठ का नाम
कक्षा–IX	व्याकरणिक संरचनाओं का बोध एवं प्रयोग, गद्य/पद्य की विभिन्न विधाओं का बोध एवं भाषिक कौशल का विकास, विश्लेषण करने की क्षमता का विकास, अभिव्यक्ति की मौलिकता, जीवन मूल्यो की पहचान	कर्मवीर, खुशबू रचते है हाथ, ठेस, बालगोबिन भगत, अशोक का शस्त्र त्याग, दीदी की डायरी
कक्षा–X	लेखक/कवि के मनोभावों को समझते हुए अर्थग्रहण, सामूहिक स्तर पर अपने मत की अभिव्यक्ति आलोचनात्मक चिंतन, कार्य–कारण संबंध स्थापित करना, सृजनात्मकता एवं तार्किकता भाषा में प्रवाहमयता।	रैदास, रूको बच्चों, कहानी का प्लॉट, रेलयात्रा, निबंध, लाल पान की बेगम, टॉल्सटाय के घर में

शैक्षणिक सत्र 2021 -2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री

कक्षा 9 (कक्षा 8 के बच्चे जो सत्र 2021 -2022 में कक्षा 9 में पढ़ रहे हैं उनके लिए 60 दिवस की सामग्री)

Class : 9 Subject : Hindi

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ अपने परिवेश में मौजूद लोकगीतों एवं लाककथाओं के बारे में बताते हैं। ✓ विविध कलाओं यथा– हस्तकला, वास्तुकला, नृत्यकला और उनमें प्रयोग होने वाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं। ✓ विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रस्तुत शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते /समझाते हैं। ✓ मजदूरों के स्वाभिमान को समझते हैं एवं उनका सम्मान करते हैं।	पाठ–7 ठेस (कहानी) फणीश्वरनाथ रेणु	✓ हाव–भाव से कहानी सुनना। ✓ कहानी के घटनाक्रम शीर्षक, पात्रों के विषय में बातचीत करना एवं राय देना। ✓ मुहावरों, लोकोक्तियों को पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ कहानी को हाव–भाव के साथ सुनने–सुनाने के अवसर हों। ✓ कहानी के घटनाक्रम, पात्रों के विषय मे बातचीत करने के अवसर हों। जैसे– कहानी का कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों ? ✓ इस बात पर चर्चा करवाई जा सकती है कि क्या थोड़ा सा अनाज या रूपए देकर किसी की मजदूरी का मूल्य चुकाया जा सकता हैं ? ✓ मुहावरों, लोकोक्तियों को सूचीबद्ध करने की गतिविधि करा सकते हैं। ✓ स्थानीय स्तर पर बनने वाले चीजों को वर्गकक्ष में प्रदर्शित कराया जा सकता है।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चे पठन सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के साथ प्रश्न पूछते हैं। ✓ कर्म की महत्ता को समझते हैं।यह जानते हैं कि परिश्रम के द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती हैं। ✓ बच्चे पाठ के व्याकरणिक इकाइयों को पहचानते हैं। ✓ किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों/समस्याओं पर चर्चा करते हैं, एवं मजदूरों की समस्या का कारण जानने की कोशिश करते हैं। ✓ नवगीत विधा को जानते हैं।	पाठ–3 कर्मवीर (कविता) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पाठ–17 खुशबू रचते हैं हाथ (कविता) अरूण कमल	✓ कविता का गायन करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ पाठ की व्याकरणिक इकाई–शब्द युग्म, विलोम शब्द को पहचानना एवं प्रयोग करना। ✓ कविता में निहित भाव को मौखिक/लिखित रूप से अभिव्यक्त कर पाना। ✓ लघु –उद्योगों के बारे में बताना।	✓ हाव–भाव के साथ कविता का एकल एवं समूह गायन। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर जैसे– कर्मवीर की पहचान क्या हैं ? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल कराए जा सकते हैं। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों का अभ्यास कराया जा सकता है। ✓ पाठ में निहित भाव को लिखने के लिए कहा जा सकता हैं। ✓ बच्चों से मजदूरों द्वारा किये जाने वाले कार्यों की सूची बनवाई जा सकती है। ✓ विभिन्न लघु –उद्योगों के बारे में चर्चा करवाया जा सकती है। ✓ इस कविता से मिलती जुलती रचनाओं को पुस्तकालय एवं अन्य पत्रिका के माध्यम से संकलित करने एवं उसे कक्षा में प्रस्तुत करने के अवसर हों।	4 4

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ पठन सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। ✓ पढ़कर अपरिचित व्यक्ति/परिस्थिति/घटनाओं की कल्पना करते हुए और उनपर अपने मन मे बनने वाली छवियों एवं विचारों की मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। ✓ लिखते समय विराम चिह्न का प्रयोग करते हैं। ✓ रेखाचित्र/जीवनी में अंतर समझते हैं। ✓ रूढ़िवादिता को समझते हैं।	पाठ–19 जननायक कर्पूरी ठाकुर (जीवनी) पाठ–4 बालगोबिन भगत (रेखाचित्र) रामवृक्ष बेनीपुरी	✓ समझते हुए पाठ को पढ़ना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ कर्पूरी ठाकुर के जीवन से जुड़े पहलुओं को बताना। ✓ पाठ घटनाकम/शीर्षक,पात्रों के विषय में मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति देना। ✓ व्याकरणिक इकाईयों जैसे– योजक चिह्न, क्रिया विशेषण को पहचानना।	✓ गद्य की विधा जीवनी/रेखाचित्र के बारे में बताया जा सकता हैं। ✓ बच्चों को जननायक कर्पूरी ठाकुर के बारे में बातचीत करने का अवसर हों। बालगोबिन भगत गृहस्थ थे फिर भी उन्हें साधु क्यों कहा जाता था ? इस पर चर्चा हो सकती हैं। ✓ रूढ़िवादिता क्या है एवं हमें इससे कैसे निपटना चाहिए ? इसपर लिखने के अवसर दिये जा सकते हैं। ✓ योजक चिह्न, उद्धरण चिह्न आदि की जानकारी, इनकी सूची बनवाना एवं वाक्यों में इनके प्रयोग से संबंधित गतिविधि हो सकती हैं। ✓ पाठ के विभिन्न व्याकरणिक अभ्यास जैसे अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, समास, क्रिया–विशेषण से संबंधित गतिविधि करवाए जा सकते हैं।	5 4

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ लयात्मक वाचन की क्षमता का विकास कर पाते हैं। ✓ कविता के माध्यम से देश–प्रेम एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करते हैं। ✓ राष्ट्रीय अस्मिता, एकता, वीरता एवं अत्याचारों के विरोध एवं क्रांति की भावना का विकास करते हैं। ✓ पद्य को गद्य के रूप में लिखने की क्षमता का विकास करते हैं। ✓ संवाद–लेखन एवं अभिनयकला को जानते हैं।	पाठ–20 झाँसी की रानी (कविता) सुभद्रा कुमारी चौहान	✓ रानी लक्ष्मीबाई के बारे में लेखन करना। ✓ पद्य की पंक्तियों को गद्य के रूप में लिखना। ✓ स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रमुख वीरों/देशभक्तों का चित्र बनाना।	✓ बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बाँटकर, गायन के अवसर देते हैं। ✓ कविता के शीर्षक पर चर्चा करते हैं,साथ ही रानी लक्ष्मी बाई के चारित्रिक विशेषताओं पर चर्चा करते हैं। ✓ प्रथम स्वाधीनता संग्राम के कारणों पर विचार विमर्श करते हैं। ✓ कविता को अपनी भाषा में लिखने का अवसर प्रदान करते हैं। ✓ बच्चों को कविता की रूचिकर पंक्तियों को लिखने के अवसर प्रदान करते हैं। ✓ पाठ में आए पात्रों के बीच हुए संवाद को अपनी भाषा में लिखने एवं अभिनय करने का अवसर दें।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ किसी सामग्री को पढ़कर लेखन के विविध तरीको वर्णनात्मक , विवरणात्मक, भावात्मक लेखन आदि को पहचानते हैं। ✓ अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते हैं। ✓ लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं। ✓ किसी विषयवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	पाठ–10 ईर्ष्याः तू न गई मेरे मन से (निबंध) रामधारी सिंह दिनकर पाठ–12 विक्रमशिला (निबंध)	✓ गद्य की विधा निबंध को समझना एवं लिखना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ महान विभूतियों/प्रसिद्ध स्थानों के बारें में बताना। ✓ संधि/समास को समझना एवं प्रयोग करना।	✓ शीर्षक पर बातचीत करने के अवसर हों। ✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना | जैसे– जीवन के किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए जब आपको किसी से ईर्ष्या हुई हो। ✓ पाठ में आए महान विभूतियों की स्थानों की सूची बनवाने एवं उनके चित्र बनाने के अवसर हों। ✓ परिभ्रमण के लिए विक्रमशिला के अलावा अन्य कौन से स्थान बिहार में हैं ? इसकी चर्चा की जा सकती हैं। ✓ व्याकरणिक इकाइयों यथा संधि एवं समास का परिचय एवं इसके भेद को जानने एवं प्रयोग करने संबंधित गतिविधि के अवसर हों।	10

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के घटनाक्रम/पात्रों के विषय में बातचीत करते हैं एवं राय देते हैं । ✓ बच्चे पाठ के आधार पर अभिनय कौशल, एवं मौलिक चिंतन करने में दक्ष हो पाते हैं। ✓ बच्चों में संवाद लेखन की क्षमता का विकास होता हैं। ✓ अहिंसा के महत्व को जान पाते हैं।	पाठ–9 अशोक का शस्त्र–त्याग (एकांकी) वंशीधर श्रीवास्तव	✓ पाठ के घटनाक्रम/शीर्षक/पात्रों के विषय में बातचीत करना एवं राय देना। ✓ एकांकी को कहानी के रूप में लिखना।	✓ पाठ को कहानी के रूप में सुनने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर अभिनय करने के अवसर हों। ✓ पाठ को निजी जीवन से जोड़ना, जैसे– युद्ध से क्या–क्या हानि हैं ? ✓ एकांकी को कहानी के रूप में लिखने के अवसर हों। ✓ बच्चों में मौखिक चिंतन करने के अवसर हों, जैसे– अगर आप पद्मा की जगह होते तो क्या करते ? ✓ पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ को जानेंगे, जैसे– वीरांगना, पराधीन | ✓ एकांकी लिखने की शैली से परिचित हों।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से रखते हैं। ✓ अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ✓ दैनिक जीवन से अलग/संबंधित किसी घटना/स्थिति/यात्रा पर सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं।	पाठ–13 दीदी की डायरी (डायरी) पाठ–5 हुडंरू का जलप्रपात (यात्रा वृतांत) कमला प्रसाद सिंह 'काम'	✓ गद्य की विधा डायरी को समझना। ✓ डायरी लिखना। ✓ अंधविश्वासों/अपशकुन को दूर करने के बारे में सुझाव देना। ✓ कठिन शब्दों के अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का उपयोग करना। ✓ भाववाचक संज्ञा को समझना एवं प्रयोग करना। ✓ यात्रा वृतांत को पढ़ते हुए विश्लेषण करना। ✓ अपने अनुभवों को अपनी शैली में लिखना। ✓ पाठ से संबंधित चित्र बनाना।	✓ बच्चों को अपनी दिनचर्या लिखने के अवसर हों। ✓ अपनी भाषा में लिखने संबंधी गतिविधियाँ हो। जैसे– डायरी, पत्र यात्रा वृतांत इत्यादि। ✓ पाठ में व्याप्त अंधविश्वासों / अपशकुनों की चर्चा करने एवं उन्हें दूर करने के उपाय पर भी चर्चा कराई जा सकती हैं। ✓ बिहार के दर्शनीय स्थलों की सूची बनवाई जा सकती है। ✓ पाठ में प्रयुक्त संज्ञा एवं उनके विभिन्न भेदो का प्रयोग कहाँ–कहाँ हो रहा है, उनको चिह्नित करने की गतिविधि कराई जा सकती है। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्नों का निर्माण कराया जा सकता है।	4 4

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे अपनी भाषा में बातचीत, चर्चा एवं विश्लेषण करते हैं। ✓ किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं, संवेदनशील होते हैं, एवं उनके कारण जानने की कोशिश करते हैं। ✓ लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं। ✓ किसी घटना/स्थिति पर सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। ✓ पारिवारिक संबंधों एवं उनके मूल्यों को समझते हैं।	पाठ–2 ईदगाह (कहानी) प्रेमचंद	✓ हाव–भाव से कहानी पढ़ना। ✓ कहानी के घटनाक्रम शीर्षक, पात्रों के विषय में बातचीत करना एवं अपनी राय देना। ✓ पाठ के अभ्यास प्रश्नों को हल करना। ✓ भाषा की बारीकियाँ जैसे– मुहावरों को समझना एवं वाक्यों में प्रयोग करना।	✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ कहानी का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जा सकता है। ✓ शीर्षक एवं पात्रों पर चर्चा एवं उसके विषय में अपने विचार लिखने को दिया जा सकता है। ✓ पाठ अभ्यास प्रश्न हल कराए जा सकते हैं। ✓ कहानी को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना । जैसे– व्यवहार हमारे जीवन का अभिन्न अंग है कैसें ? पाठ में किसका चरित्र सबसे अच्छा लगा ? कारण सहित लिखने को कहा जा सकता है। ✓ पाठ में दिए गए मुहावरों को सूचीबद्ध करने को कहा जा सकता है।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं, और उनपर अपने मन में बननेवाली छवियों और विचारों को अभिव्यक्त करते हैं। ✓ पाठ में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हैं एवं दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करते हैं। ✓ व्यंग्यात्मक प्रसंग पर चिंतन करते हुए अपनी समझ बढ़ाने के लिए प्रश्न करते हैं। ✓ गद्य की एक नयी विधा हास्य–व्यंग्य की समझ का विकास करते हैं।	पाठ–21 चिकित्सा का चक्कर (हास्य–व्यंग्य) बेढब बनारसी	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना। ✓ पाठ में प्रयुक्त मुहावरों को चुनकर वाक्य में प्रयोग करना। ✓ वाक्य प्रयोग द्वारा युग्म शब्दों के अर्थ बताना। ✓ चिकित्सा के विभिन्न पद्धतियों से अवगत कराना। जैसे– एलोपैथ, होमियोपैथ, आयुर्वेद आदि।	✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ेंगे एवं उनसे संबंधित घटनाओं का जिक्र करने के लिए कहते हैं। ✓ मानव व्यवहार का विवेचन करते हैं, जैसे विभिन्न मेहमानों के आगमन उपरान्त राय व्यक्त करना। ✓ आनन्द एवं चतुराई के भावों को व्यक्त करते हैं। ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करवाये जा सकते हैं। ✓ बच्चों में पाठ के आधार पर अभिनय कौशल, अभिव्यक्ति कौशल, आचरण, संवाद कौशल का विकास करते हैं। ✓ बच्चों को पाठ का सारांश सुनने के अवसर प्रदान करते है।	5

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–10

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021 -22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री

कक्षा 10 (कक्षा 9 के बच्चे जो सत्र 2021 -2022 में कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं उनके लिए 60 दिवस की सामग्री)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सामाजिक मुद्दों यथा– लिंग भेद, दहेज प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा, गरीबी ,विधवा विवाह , अनमेल विवाह को समझते हैं एवं अपनी राय व्यक्त करते हैं। ✓ व्यवहारिक एवं दैनिक जीवन में विविध प्रकार की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।	गद्य खंड पाठ–1 कहानी का प्लॉट (कहानी) शिवपूजन सहाय	✓ कहानी के घटनाकम/शीर्षक/पात्रों के विषय में बातचीत करना एवं अपनी राय देना। ✓ भाषा की बारीकियों यथा मुहावरों एवं लोकोक्तियों को समझना एवं वाक्यों में प्रयोग करना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना।	✓ पाठ के शीर्षक पर बातचीत करने के अवसर हों। ✓ पाठ में आए सामाजिक मुद्दों यथा– लिंग भेद, दहेज प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा, गरीबी, विधवा विवाह, आदि पर मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति के अवसर दें। ✓ कहानी के एक प्रकार के रूप में 'आंचलिक कहानी' पर चर्चा के अवसर दें। ✓ कहानी में आए हुए 'आंचलिक शब्दों' को रेखांकित (चयन करना) करने की गतिविधि करवाई जा सकती हैं। ✓ पाठ में प्रयुक्त मुहावरों/ लोकोक्तियों को चुन कर उनका वाक्य में प्रयोग करवाए जा सकते हैं। ✓ देश के प्रसिद्ध आंचलिक रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं पर चर्चा की जा सकती हैं।	4

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे हाव–भाव के साथ एकल/समूह में गायन करते हैं। ✓ पाठ में आए पद की ध्वनि तथा लय पर ध्यान देते हैं। ✓ भक्तिकाल एवं निर्गुण भक्ति शाखा की जानकारी देते हैं। ✓ भाषा–साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं जैसे– विशिष्ट शब्द भण्डार, वाक्य संरचना, शैली संरचना, मौलिकता आदि। ✓ गुरु गोविन्द सिंह एवं सिक्खों के अन्य गुरूओं के संबध में बताते हैं।	काव्य खंड–01 (पद) रैदास काव्य खंड–03 गुरु गोविन्द सिंह (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ कविता के निहित भाव को समझना एवं लिखना। ✓ कविता के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ अभ्यास के प्रश्नों को हल करना।	✓ पाठ में आए पदों को बच्चों द्वारा गाकर सुनाने के अवसर दें। ✓ इस पद से मिलते–जुलते पदों के संकलन के अवसर दें। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत हो सकती है कि कवि किस प्रकार की भक्ति करना चाहते हैं। ✓ कविता के निहित भाव को अपने शब्दों में लिखने के अवसर दें। ✓ पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ को शब्दकोश में ढूँढ़ने के अवसर दें। ✓ परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों की सूची बनवाए जा सकते हैं। ✓ सिख धर्म के सभी गुरूओं ✓ के नाम क्रमवार लिखवाए जा सकते हैं।	8

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं और समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। ✓ बच्चे गद्य की नई विधा रेखाचित्र को समझते हैं। ✓ बच्चे लिखते समय विराम चिह्नों का प्रयोग करते हैं। ✓ दिव्यांग/विशेष क्षमता वाले व्यक्तियों के प्रति मानवीय संवेदना व्यक्त कर सकते हैं।	पाठ–6 गध खंड अष्टावक्र (रेखाचित्र) विष्णु प्रभाकर	✓ पाठ को समझते हुए पढ़ना। ✓ पाठ के घटनाक्रम/शीर्षक /पात्रों के विषय में बातचीत करना एवं अपनी राय देना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना। ✓ अपने आस–पास के विभिन्न शारीरिक विभिन्नताओं वाले लोगों के बारे में जानकारी इकट्ठी करना एवं उनकी परेशानियों को समझने का प्रयास करना।	✓ गद्य की विधा रेखाचित्र के बारे में चर्चा करना। ✓ दिव्यांग जनों के जीवन में आने वाली विभिन्न परेशानियों के बारे में चर्चा करें। ✓ बच्चों को उनके परिवेश से अष्टावक्र के समान किसी चरित्र को खोजने को कहा जा सकता है, जिनसे वो बातचीत कर उनके संघर्ष एवं गरीबी के बारे में जानकर स्वतंत्र ढंग से लेखन करें। ✓ पाठ के विभिन्न व्याकरणिक अभ्यास के प्रश्नों को हल करवाया जाए।(विपरीतार्थक शब्द, लिंग–निर्णय, वचन)	6

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चें गद्य की विधा के रूप में व्यंग्य को समझते हैं। ✓ पाठ को देखकर अपरिचित परिस्थितियों, घटनाओं की कल्पना करते हैं, और उनपर मन में बनने वाली छवियों एवं विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। ✓ किसी सुनी या बोली गई घटना को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। ✓ संवाद लेखन की क्षमता रखता हैं।	पाठ–9 गद्य खंड रेलयात्रा (व्यंग्य) शरद जोशी	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ घटनाओं के कारण के बारे में तर्क एवं विश्लेषण करना। ✓ पाठ में प्रयुक्त विदेशज शब्दों को जानना एवं प्रयोग करना।	✓ पाठ के शीर्षक पर बातचीत करने के अवसर दें। ✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना। जैसे– उनकी किसी रेलयात्रा के अनुभव के बारे में चर्चा करें। ✓ बिहार में मानचित्र में सभी रेलमार्गों को चिह्नित किया जा सकता है। ✓ पाठ के आधार पर यह चर्चा करने के अवसर हों कि पाठ में वर्णित रेलयात्रा से संबंधित कुव्यवस्थाओं को कैसे दूर किया जा सकता हैं। ✓ रेलयात्रा में आने वाली समस्याओं को लेकर दो यात्री के बीच का संवाद लिखें।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए अपनी राय व्यक्त करते हैं। ✓ अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं। ✓ दूसरों की कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। ✓ समसामयिक समस्या से संबंधित कविता लेखन की कला जानते हैं।	पाठ–9 काव्य खंड रुको बच्चों (कविता) (राजेश जोशी) काव्य खंड पाठ -10 निम्मो की मौत पर (कविता) विजय कुमार	✓ कविता के आधार पर बातचीत करना और अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ कविता में निहित भाव को समझना एवं लिखना। ✓ विभिन्न कविताओं के विषयों की आपस में तुलना कर पाना। ✓ अभ्यास के प्रश्नों को हल कर पाना।	✓ विषय का सन्दर्भ देते हुए कविता में निहित भाव को स्पष्ट करने के अवसर दें। ✓ कविता में आए घटनाओं पर बातचीत/चर्चा के अवसर दें। ✓ आप निम्मो होते तो आप क्या करते/यदि आपके आस–पास निम्मो जैसा कोई चरित्र हो तो आपको क्या करना चाहिए ? ऐसे विषयों पर चर्चा करने के अवसर दें। ✓ राजेश जोशी/विजय कुमार की मानवीय संवेदना व्यक्त करने वाली कविताओं को एकत्र करने के लिए कहा जा सकता है। ✓ पाठ में आए व्याकरणिक इकाइयों को हल करने के अवसर हों। (वचन, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, उद्गम की दृष्टि से शब्द के भेद)	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ निबंध लिखने की प्रक्रिया को जानते हैं। ✓ निबंध कला की जानकारी से छात्रों में रचनात्मकता का विकास होता हैं। ✓ पाठ से छात्रों में विषय की अवधारणा, ✓ चिंतन, मनन, अर्थग्रहण की क्षमता बढ़ती है साथ ही शब्द भंडार का भी विकास होता है। ✓ क्रमिक लेखन को क्षमता विकसित करते है। ✓ उत्कृष्ट निबंधकारों से पुस्तकालय की सहायता से परिचित होते हैं।	पाठ–10 गद्य खंड निबंध (निबंध) लेखक– जगदीश नारायण चौबे	✓ पाठ के आधार पर मनन करना। ✓ निबंध लिखने के तरीकों पर बातचीत करना तथा उसपर राय देना। ✓ निबंध के विभिन्न भाग/प्रारूप को जानना। ✓ विभिन्न शब्दों के उद्गम के आधार पर पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ पाठ के शीर्षक पर बातचीत करने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर निबंध लेखन के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा के अवसर हों। ✓ पाठ में लेखक के द्वारा उदाहरण स्वरूप दिये गए कुछ उत्कृष्ट निबंधकारों के निबंध पढ़ने एवं उन्हें संकलित करने के अवसर हों। ✓ पाठ में आए व्याकरणिक इकाई संधि एवं उसके भेद पर चर्चा के अवसर हों। ✓ विभिन्न विषयों पर निबंध लिखने के अवसर हों।(स्त्री शिक्षा, दहेज–प्रथा, आत्मनिर्भरता, कोरोना वायरस, मेरे प्रिय शिक्षक)।	8

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ समाचार–पत्र, रेडियों, टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले, विभिन्न कार्यक्रमों, खोल, फिल्म साहित्य संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते सुनते और पढ़ते हैं। ✓ देखी–सुनी, पढ़ी–लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। ✓ पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं जैसे– रिपोर्ताज, फीचर विधाओं को पढ़ते–लिखते हैं।	पाठ–7 गध खंड टॉल्सटाय के घर में (रिपोर्ताज) लेखक– रामकुमार पाठ–9 गध खंड पधारो म्हारे देश (फीचर) लेखक–अनुपम मिश्र	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ गध की विधा रिपोर्ताज एवं फीचर को समझना। ✓ नए शब्दों के अर्थ शब्दकोष में ढूँढ़ना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एंव पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना। ✓ रिपोर्ताज/फीचर पढ़ते हुए विश्लेषण करना।	✓ बच्चों को इस बात का अवसर मिले कि वे रेडियो/टेलीविजन/साक्षात्कार/फीचर आदि गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम देखे, सुनें और उनकी भाषा/लय/संचार संप्रेषण पर चर्चा करें। ✓ कल्पनाशीलता एवं सृजनशीलता को विकसित करने वाली लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि का आयेजन हो, और उनसे संबंधित रिपोर्ट लेखन के अवसर हो। ✓ अपने अनुभवों को स्वतंत्र ढंग से लिखने के अवसर हों। ✓ सक्रिय एवं जागरूक बनाने वाले स्रोत, अखवार, पत्रिकाएँ, फिल्म और अन्य श्रव्य–दृश्य सामग्री को देखने, सुनने, पढने और लिखकर अभिव्यक्त करने संबंधी गतिविधियाँ। ✓ पाठ के व्याकरणिक ईकाई जैसे– समास, इसके भेद एवं विग्रह से संबंधित गतिविधि करवाई जा सकती है।	12

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ पाठ के माध्याम से ग्रामीण जीवन के अनेक रंगों को समझते हुए उनके प्रति गहरी संवेदना विकसित करते हैं। ✓ अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते हैं। ✓ दैनिक जीवन में घटित ग्रामीण स्थितियों को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। ✓ पाठ में प्रयुक्त आंचलिक शब्दों को क्षेप्तीयता के आधार पर पहचानते हैं। ✓ आंचलिक कहानी की समझ विकसित करते हैं। ✓ पाठ में प्रयुक्त लोकोक्तियाँ तथा लोकगीत को समझते हैं। ✓ चरित्र चित्रण करने की कला को जानते हैं।	पाठ–4 गद्य खंड लाल पान की बेगम (कहानी) लेखक– फणीश्वरनाथ 'रेणु'	✓ हाव–भाव से कहानी सुनना। ✓ कहानी के पात्रों एवं घटनाओं के विषय में बातचीत करना एवं राय देना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं हल करना। ✓ मुहावरों/ लोकोक्तियों को पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ कहानी को हाव–भाव के साथ सुनने–सुनाने के अवसर हों। ✓ कहानी को बच्चों से पढवाया जा सकता है । ✓ कहानी के घटनाक्रम/पात्रों के विषय में बातचीत के अवसर हों | जैसे– कहानी का कौन–सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों ? ✓ अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हों। ✓ कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे– अभिनय भूमिका निर्वाह (रोल प्ले) करने के अवसर हों। ✓ व्याकरणिक इकाइयों जैसे लोकोक्ति, उपसर्ग–प्रत्यय, समास आदि के प्रति समझ को विकसित कर सकते हैं। ✓ बिहार के लेखकों पर निबंध लिखन की कला को विकसित कर सकते हैं। ✓ कहानी के विभिन्न पात्रों के चरित्र - चित्रण के अवसर हो विशेषकर ''बिरजू की माँ''|	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ हस्तकला, चित्रकला ✓ वास्तुकला के प्रति अपनी रूचि व्यक्त करते हैं, और इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं। ✓ चित्रकला के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानते/समझते हैं। ✓ विभिन्न सामाजिक मुद्दों/ अपने भावों को चित्र के माध्यम से व्यक्त कर पाते हैं | पत्र-लेखन की कला को जानते हैं।	वर्णिका पाठ–4 बिहार की चित्रकला	✓ कला के विभिन्न शैलियों के रूप में चित्रकला का समझना एवं बिहार की प्रमुख चित्रकलाओं को जानना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न निर्माण करना। ✓ विभिन्न प्रकार के विषयों पर चित्र निर्माण करना।	✓ पाठ के आधार पर विभिन्न प्रकार की चित्रकलाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों को सूचीबद्ध करना एंव संग्रहित करना। ✓ पटना चित्र शैली के प्रमुख चित्रकारों के बारे में चर्चा करना। ✓ पटना कलम के चित्रों की प्रमुख विशेषता पर चर्चा की जा सकती है। ✓ बिहार के प्रमुख चित्रकला शैली के रूप में मधुबनी चित्रकला पर चर्चा की जा सकती है। ✓ कुछ प्रसिद्ध कला संस्थानों जैसे– उपेन्द्र महारथी कला संस्थान आदि को सूचीबद्ध कराया जा सकता हैं। ✓ प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले ‘‘ कला उत्सव’’ पर चर्चा की जा सकती है। ✓ बिहार की चित्रकला का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास पत्र लिखने को कहा जा सकता है।	3

हिन्दी

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
आदित्य नाथ ठाकुर	माउंट एवरेस्ट एम0 एस0 कंकरबाग पटना
राजमंगल तिवारी	उ0 म0 वि0 बखरीयाँ भोजपुर
वर्षा कुमारी	राजकीय मध्य विद्यालय रामपुर–31 शेरपुर, मनेर
कुमारी सबिता	राजकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर पटना
अजय कुमार	मध्य विद्यालय गोरखरी, बिक्रम, पटना
संध्या शाही	प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरमेरा, नालन्दा
डॉ0 अंकिता कुमारी	महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय खुसरूपुर पटना
राजेश कुमार राजन	राज कुवँर विद्या मंदिर गोपालपुर, मनेर पटना
प्रशांत केतु	कृष्णकांत उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुरा, पटना
अतुल कुमार	मध्य विद्यालय चौथी चैनपुर जिला कैमूर

अकादमिक सहयोग– राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, विभाग प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना